शिक्षा तथा समाज का अन्योन्याश्रय संबंध : एक नवीन विवेचन

डॉ0 शशिबाला

शिक्षा और समाज एक दूसरे के पूरक एवं परस्पर संबंधित है। वस्तुतः इनका संबंध पारस्परिक कारण और परिणाम का है क्योंकि जैसा समाज होता है वैसा ही शिक्षा होती है और जैसी शिक्षा होती है, वैसा ही समाज होता है।

बायड एच0 बोड का कथन है–''समाज और शिक्षा का एक–दूसरे से पारस्परिक कारणों और परिणाम का संबंध है। किसी भी समाज का स्वरूप उसकी शिक्षा व्यवस्था के स्वरूप को निर्धारित करता है और इस व्यवस्था का स्वरूप समाज के स्वरूप को निर्धारित करता है। शिक्षा और समाज की अन्योन्याश्रितता इस प्रकार देखी जा सकती है कि पहले प्राचीन समय में आदर्श एवं मूल्यों की शिक्षा पर विशेष बल दिया जाता था जिससे प्रत्येक व्यक्ति आदर्श से युक्त होता था, परंतु आज जहां शिक्षा में विज्ञान एवं तकनीकी को महत्व दिया जाने लगा है जिससे नैतिक मूल्यों का स्थान गौण हो गया है। अतः समाज के व्यक्तियों में भी मूल्य विकसित होने की अपेक्षा प्रतिस्पर्धा, धन लोलुपता इत्यादि की भावनाएं बढ़ी है।